Fourteenth Loksabha

Session : 6
Date : 23-12-2005

Participants : Tripathi Shri Chandramani

>

Title : Incident of gang rape in Pushpak Express on 21.12.2005 and safety of passengers in train.

श्री चन्द्रमणि त्रिपाठी (रीवा) : अध्यक्ष महोदय, मैने ज़ीरो ऑवर के महत्वपूर्ण विाय के लिये नोटिस दिया हुआ है।

MR. SPEAKER: Hon. Members, now I come to Item No.34 - motion in the name of Shri Pranab Mukherjee. Before I invite him to move the motion, may I make a really humbly submission?

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please take your sit. This is a very serious matter. I have called you because of the importance of the matter, but you were not present in the House. You cannot just at your sweet will make your submission.

श्री चन्द्रमणि त्रिपाठी :अध्यक्ष जी, बहुत ही गम्भीर महत्व का विाय है। मैं उसके लिए क्षमा मांगता हूं।

अध्यक्ष महोदय : यह आपको पहले उठकर कहना चाहिये था, ऐसा नहीं होता कि जब आप खड़े हो जायें, आपको टाइम देना पड़ेगा।

MR. SPEAKER: This is not a happy day, I am sure, not only for the Chair but also for the entire House. But the House sometimes has to do its duty and to the nation. I am not saying a worD about the merits. It is entirely for the House to decide. But what I am earnestly appealing to all sections of the House to please have a debate in a proper atmosphere or manner so that our dignity, which is already under some cloud, may not be further affected. Therefore, my earnest appeal to you is to make submission and I shall try to accommodate everyone to the best possible manner to the extent of availability of time. Therefore, I am sure, I will get your kind cooperation.

… (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : अच्छा, बोलिये, आपको क्या बोलना है लेकिन मैटर पर बोलिये। This is not the way. You are a senior Member. I have respect for you.

श्री चन्द्रमणि त्रिपाठी : अध्यक्ष महोदय, दिनांक 21.12.05 की आधी रात में पुपक एक्सप्रेस में बलात्कार और लूट पाट हुई है, इससे रेल मंत्रालय की सुरक्षा संबंधी सारी घोाणायें खोखली साबित हो गईं इसलिये, मैं आपके माध्यम से रेल मंत्री जी का ध्यान आकर्ति करना चाहता हूं लेकिन मंत्री जी यहां नहीं हैं…(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बोलना चाहते हैं तो बोलिये - It is not necessary that all the hon. Ministers will have to be present. आप मेरे माध्यम से कहिये।

श्री चन्द्रमणि त्रिपाठी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्ति करना चाहता हूं कि पुपक एक्सप्रेस की दुर्घटना अपने आप में एक अनोखी घटना है। उस समय जी.आर.पी. के दो जवान मौजूद थे। महिलायें और लोग बिलखते रहे लेकिन उनकी ओर से कोई कार्यवाही नही की गई और अब कहा जा रहा है कि उनका कोई पता नहीं चल रहा है। इस सरकार के राज में महिलाओं की इज्जत सुरक्षित नहीं है। इसलिये घटना की गम्भीरता को देखते हुये तुरन्त कार्यवाही की जाये।